भाकृअनुप-केन्द्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान

में **भारत की अर्थव्यावस्थार में मात्स्यिकी का योगदान**

पर हिंदी में राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी संपन्नक

भारत की अर्थव्यावस्थान में मात्स्यिकी के योगदान पर हिंदी में राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी भाकृअनुप-केन्द्रीय मात्स्यिकी प्रौद्योगिकी संस्थान, कोचिन में दिनांक 11 जुलाई, 2019 को संपन्नस हुई।संगोष्ठी का शुभारंभ भाकृअनुप गीत, दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। सर्वप्रथम सभा का स्वांगत करते हुए डॉ.जे.रेणुका, उप निदेशक (राजभाषा) ने रेखांकित किया कि वैज्ञानिक उपलब्धियों को लक्ष्य् समूह तक पहुँचाने में भाषाओं का अत्य धिक महत्वा होता है। हिंदी तथा अन्यउ क्षेत्रीयभाषाओं के महत्वस को अनदेखा नहीं किया जा सकता। वैज्ञानिक विषयों को हिन्दीजमें प्रस्तुात करना ही इस संगोष्ठी का मूल लक्ष्य रहा। डॉ.रविशंकर सी.एन., निदेशक ने अपने अध्यवक्षीय संबोधन में संस्था न की उपलब्धियों के साथ राजभाषा कार्यान्वलयन की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला

मुख्यस अतिथिडॉ.टी.के.श्रीनिवास गोपाल, पूर्व निदेशक, भाकृअनुप-केमाप्रौसं, कोचिन ने अपने संबोधन में अर्थव्यमवस्थाअ में मात्स्यिकी केयोगदान के साथ रोजगार प्रजनन में उसकी भूमिका को प्रस्तुदत किया और हिंदी भाषा में राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी के आयोजन के लिए संस्था न के निदेशक एवं उप निदेशक (राजभाषा) को बधाई दी। इस अवसर पर प्रकाशित **सारांश पुस्तिका** का विमोचन मुख्या अतिथि महोदय द्वारा किया गया।

अंत में श्री पारस नाथ झा, वैज्ञानिक, मत्य्ा वन्प्रौद्योगिकी प्रभाग ने मुख्य अतिथि एवं निदेशक को धन्यौवाद व्य क्त किया

प्रथम एवं द्वितीय सत्र :

इस संगोष्ठी के प्रथम सत्र की अध्यक्षता भाकृअनुप-केमाप्रौसं, कोचिन के डॉ.मनोज पी.सैएमूल, प्रभागाध्यदक्ष अभियांत्रिकी और सह अध्यक्षता डॉ.एस.के.पण्ड्, प्रधान वैज्ञानिक, गुणता आश्वाधसन प्रबंधन द्वारा की गई। प्रथम सत्र में कुल सात प्रपत्र प्रस्तुत किए गए और द्वितीय सत्र में कुल छ: प्रपत्र प्रति भागियों ने प्रस्तुत कि ए और इस सत्र के अध्यक्ष एवं सह अध्यक्ष भाकृअनुप-केमाप्रौसं, कोचिन के डॉ.निकिता गोपाल, प्रधान वैज्ञानिक, विस्तासर सूचना एवं सांख्यिकी और डॉ.के.के.आशा, प्रधान वैज्ञानिक, जैव रसायन एवं पोषण प्रभाग रहे। समापन समारोह में निदेशक महोदय डॉ.रविशंकर सी.एन., ने सहाभगियों को शुभकामनाएं देते हुए प्रमाण पत्र वितरित किए। उत्तशम प्रस्तुति के तीन पुरस्काकर डॉ.पी.षिनोज, वरिष्ठम वैज्ञानिक भाकृअनुप-केसमाअनुसं, कोचिन, डॉ.मोहम्म द अकलाकुर वरिष्ठस वैज्ञानिक भाकृअनुप-केमशिसं, मोतीहरी, और डॉ.ए.सुरेश, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-केमाप्रौसं, कोचिन को निदेशक महोदय द्वारा प्रदान किए गए। संगोष्ठीन के दोनों सत्रों का समन्वायन राजभाषा अनुभाग के डॉरेणुका, डॉ.संतोष अलेक्स तथा डॉपी.शंकर द्वारा किया गया।

डॉ.रविशंकर सी.एन., निदेशक महोदय का अध्यषक्षीय संबोधन